दज्जाल के मुताल्लिक बयान (मुस्लिम और मिश्कात शरीफ)

नोटः- ‘हदीष की रिवायत का खुलासा है’.

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम

*मुस्लिम; रावी हज़रत इबने उमर रदी : रसूलुल्लाह ﷺ ने लोगो के सामने दज्जाल का ज़िकर किया और फरमाया - अल्लाह तआला काना नहीं हे. सुनो दज्जाल की दाईं आँख कानी होंगी यानी उसकी आँख फूले हुवे अंगूर की तरह होंगी.

*मुस्लिम; रावी हज़रत अनस रदी : रसूलुल्लाह ﷺ ने फरमाया - हर नबी ने अपनी उम्मत को काने दज्जाल से खबरदार किया हे, सुनो वो बिला शुब्हा काना होंगा और तुम्हारा रब काना नहीं हे, दज्जाल की दो आंखो के दरमियान 'काफ' 'अलिफ' 'फा' 'रा' (यानी 'काफिर') लिखा हुआ होंगा.

*मुस्लिम; रावी हज़रत अनस रदी : रसूलुल्लाह ﷺ ने फरमाया - मकका और मदीना के अलावा हर शहर में दज्जाल जाएंगा और उसके हर रास्ते पर फरिश्ते पहरा दे रहे होंगे, फिर वो दलदली ज़मीन में उतरेंगा और मदीना तीन मरतबा लरज़ेगा और उससे हर काफिर

और मुनाफिक निकल कर दज्जाल के पास चला जाएंगा.

*मुस्लिम; रावी हज़रत हुज़ैफा रदी : रसूलुल्लाह ﷺ ने फरमाया - दज्जाल की दाईं आँख कानी होंगी और बाल घने होंगे, उसके साथ जन्नत और दोज़ख होंगी, उसकी दोज़ख हकीकत में अल्लाह तआला की जन्नत होंगी और उसकी जन्नत हकीकत में अल्लाह तआला की दोज़ख होंगी.

*अबू दाउद; रावी हज़रत उबादा बिन सामित रदी : रसूलुल्लाह ﷺ ने फरमाया - मेने तुमसे दज्जाल के बारे में बयान किया था लेकिन मेने महसूस किया की तुम उसे समझ नहीं सके, इसमे कुछ शक नहीं की मसीह दज्जाल का कद छोटा होगा, चलते हुए उसके दोनो कदमो के दरमियान आगे से थोडा फासला होगा, एडियो की जानिब से ज्यादा फासला होगा और वो काना होगा, उसकी एक आख जिस्म के साथ बराबर होंगी ना उभरी हुई और ना ही अन्दर धंसी हुई होंगी, तुम पर मामला पैचीदा हो जाए तो इतनी बात याद रखना की तुम्हारा रब काना नहीं है.

*अबू दाउद; रावी हज़रत इमरान बिन हुसैन रदी : रसूलुल्लाह ﷺ ने फरमाया - जो आदमी दज्जाल के फितने के बारे में सुने तो वो उससे

दूर रहे, अल्लाह की कसम एक आदमी उसके पास जाएंगा जो खुद को मोमिन समझता होगा लेकिन जिन शुब्हात के साथ वो दज्जाल भेजा गया होगा उनकी वजह से वो उसकी ताबेदारी करने लग जाएंगा.

मौलाना मुहम्मद इमरान कासमी बिज्ञानवी.

एक हज़ार मुन्तखब हदीसे मुस्लिम और मिश्कात शरीफ हिन्दी.